RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 | मुंबई : शनिवार 28 दिसंबर 2024 | वर्ष 06 | अंक 255 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 4 | कीमत : 03 रुपये

दैनिक रोकठोक लेखनी ®
खबरें बे-रोकटोक

वर्ली ट्रैफिक कंट्रोल हेल्पलाइन, पर धमकी भरे कॉल की बाढ़

Page - 2

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

शिक्षकों पर लाडकी बहिन योजना की मार...

सरकार के पास वेतन के लिए नहीं है पैसा!

मुंबईः लाडली बहन योजना के कारण महाराष्ट्र की बीजेपी नीत महायुति की नैया पार लग गई। विधानसभा चुनाव 2024 में बीजेपी नीत महायुति को अब तक की सबसे बड़ी जीत मिली तथा मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्ववाली महायुति सरकार 2.0 में अब फिर से लाड़ली बहनों को योजना के पैसे का भुगतान शुरू हो गया है। लेकिन दूसरी तरफ सरकार की महत्वाकांक्षी लाडली बहन योजना राज्य की सरकारी स्कूलों के शिक्षकों के लिए मुसीबत साबित हो रही है।

योजना के कारण सरकार तिजोरी पर पड़ रहे भार का खामियाजा शिक्षकों को भुगतना पड़ रहा है। नए साल में शिक्षकों को वेतन समय पर नहीं मिलने की आशंका प्रबल हो गई है। इससे नाराज शिक्षकों के विभिन्न संगठनों ने सरकार को चेतावनी दी है। शिक्षकों के वेतन पर प्रति माह 5 हजार 500 करोड़ रुपए खर्च होते हैं। चर्चा है कि लाडली बहन योजना के कारण राज्य का खजाना खाली हो गया है। क्योंकि लोकसभा चुनाव में हार के बाद राज्य की महायुति सरकार द्वारा लाई गई लाडली बहन योजना के लिए सरकार ने शिक्षकों के वेतन का पैसा इस्तेमाल कर लिया। शिक्षकों को जनवरी महीने में मिलने वाला दिसंबर महीने का वेतन अब समय पर नहीं मिल सकेगा। सोलापुर में फैली ऐसी अफवाहों के कारण आक्रामक हुए विभिन्न शिक्षक संगठनों ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा है कि आप लाडली बहन या अन्य कोई भी योजना लागू करें। लेकिन इसकी योजना ठीक से बनाएं। सोलापुर जिला परिषद में आए शिक्षकों ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि किसी भी सरकारी कर्मचारी का वेतन नहीं रुकना नहीं चाहिए।

राज्य में जिला परिषद स्कूलों, निजी, सहायता प्राप्त प्राथमिक विद्यालयों, सहायता प्राप्त निजी माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों में शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की संख्या लगभग साढ़े चार लाख है। आमतौर पर हर महीने की 25 तारीख तक वेतन अधीक्षक के पास शिक्षकों के वेतन का पैसा पहुंच जाता है।

शिक्षकों को मिलेगा समय पर वेतन

महिला एवं बाल कल्याण विकास मंत्री अदिति तटकरे ने कहा कि लाडली बहन योजना के कारण किसी भी अन्य खाते पर दबाव नहीं पड़ा है। नागपुर बजट में लाडली बहन योजना के लिए अलग से निधि का प्रावधान किया था। योजना के तहत 24 दिसंबर से किस्त का भुगतान शुरू हो गया है। अन्य किसी विभाग से कोई धनराशि लाडली बहन योजना के लिए इस्तेमाल नहीं की गई है। शिक्षकों को वेतन नहीं मिलने की झूठी अफवाह फैलाई जा रही है। शिक्षकों को उनका वेतन भी समय पर दिया जायेगा। हर विभाग के मंत्री अपना फंड देख रहे हैं।

ठाणे में सरकारी नौकरी के लिए फर्जीवाड़ा... जालसाजी का मामला दर्ज

ठाणे : महाराष्ट्र में आबकारी विभाग में नौकरी पाने के लिए एक सरकारी अधिकारी के नाम वाले जाली पत्र का इस्तेमाल किए जाने के आरोप में ठाणे पुलिस ने मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि पिछले साल ठाणे के सरकारी अस्पताल को आबकारी विभाग के एक शीर्ष अधिकारी की मुहर और नाम वाला एक फर्जी पत्र भेजा गया था। इस पत्र में विभाग के लिए चयनित दो उम्मीदवारों के चिकित्सा परीक्षण करने के निर्देश दिए गए थे। चिकित्सा परीक्षण कराए जाने के बाद उसमें से एक उम्मीदवार को जिले के मुरबाद में तथा दूसरे को शाहपुर क्षेत्र में आबकारी उपनिरीक्षक के पद पर नियुक्त किया गया।

नवी मुंबई के कलंबोली में एक डॉक्टर को फ्लैट बेचने के नाम पर 70 लाख की ठगी

नवी मुंबई : नवी मुंबई में फ्लैट खरीदने के नाम पर डॉक्टर से 70 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है. ठगी करने वालों में एक महिला सहित तीन लोग शामिल हैं. यह घटना रोडपाली इलाके के कलंबोली में हुई, जहां आरोपियों ने डॉक्टर को एक फ्लैट बेचने का प्रपोजल दिया, जो पहले से ही किसी और को बेचा जा चुका था.

एजेंसी के अनुसार, 48 वर्षीय डॉक्टर को तीन आरोपियों ने रोडपाली क्षेत्र में स्थित फ्लैट दिखाया. डॉक्टर ने आरोपियों की बातों पर भरोसा कर लिया और फ्लैट खरीदने के लिए 70 लाख रुपये दे दिए. पैसे लेने के बाद आरोपियों ने फ्लैट का कब्जा डॉक्टर को नहीं दिया. इसके बाद जब डॉक्टर ने अपने पैसे वापस मांगने की कोशिश की तो आरोपियों ने बहाने से बात टालना शुरू कर दिया. लंबे समय तक फ्लैट न मिलने और पैसे वापस न होने पर डॉक्टर को पता चला कि उनके साथ ठगी हुई है.

डॉक्टर ने इस मामले की शिकायत कलंबोली पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई. पुलिस ने शिकायत के आधार पर तीनों आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर लिया. पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपियों ने डॉक्टर को फ्लैट दिखाने के बाद जानबूझकर उसे बेचने का झांसा दिया, जबकि वह फ्लैट पहले ही किसी अन्य व्यक्ति को बेचा जा चुका था. कलंबोली पुलिस इस मामले की जांच में जुटी है. पुलिस का कहना है कि आरोपियों की पहचान कर ली गई है. उन्हें जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा. पुलिस ने कहा कि फ्लैट से जुड़े दस्तावेजों की जांच की जा रही है. पुलिस का कहना है कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी.

एअर इंडिया की पायलट की आत्महत्या का मामले में प्रेमी को राहत... कोर्ट ने आदित्य पंडित को दी जमानत

मुंबईः मुंबई के मरोल इलाके में किराये के एक फ्लैट में रहने वाली 25 वर्षीय पायलट सृष्टि तुली 25 नवंबर की सुबह मृत मिली थी। एक दिन बाद पुलिस ने उसके प्रेमी आदित्य पंडित (27) को गिरफ्तार किया और उस पर भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 108 के तहत आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया। मुंबई की एक अदालत ने पिछले महीने कथित रूप से खुदकुशी करने वाली एअर इंडिया की एक पायलट के जेल में बंद प्रेमी आदित्य पंडित को शुक्रवार को जमानत दे दी।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश (डिंडोशी अदालत) टी टी अगलावे ने पंडित की जमानत अर्जी मंजूर कर ली। लेकिन अभी तक विस्तृत आदेश उपलब्ध नहीं हुआ है। तुली के पिता की शिकायत में कहा गया है कि उनकी बेटी और आरोपी पंडित घटना से 5-6 दिन पहले से एक ही कमरे में साथ रह रहे थे। हालांकि घटना वाले दिन आरोपी दिल्ली चला गया था। शिकायत के मुताबिक, आरोपी और पायलट की खानपान की आदतें अलग थीं और यही उनके बीच विवाद का कारण था। तुली मांसाहारी थी, जबकि पंडित शाकाहारी था। शिकायत में दावा किया गया है कि पंडित हमेशा तुली पर मांसाहार छोड़ने के लिए दबाव डालता था और इस कारण से उसने खुदकुशी कर ली। हालांकि आदित्य पंडित के वकील अनिकेत निगम ने कहा कि आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला नहीं बनता। उन्होंने कहा कि ''महज उनके बीच किसी बात पर लड़ाई होने से यह अर्थ नहीं निकाला जा सकता कि प्रार्थी की कोई आपराधिक मंशा थीं'' निकम ने कहा कि आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में यह दिखाना जरूरी है कि लड़की के पास खुदकुशी के अलावा कोई और रास्ता नहीं बचा था।

संपादकीय...

नौकरियों को लेकर अच्छे संकेत नहीं

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने मंगलवार को असंगठित क्षेत्र के उपक्रमों का वार्षिक सर्वेक्षण जारी किया। आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि अक्टूबर 2023 से सितंबर 2024 के बीच ऐसे छोटे असंगठित उपक्रमों की तादाद में इससे पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 13 फीसदी का इजाफा हुआ है। ऐसे रोजगार से मिलने वाली नौकरियां भी बढ़ी हैं लेकिन इसकी दर काफी कम रही है। इसे एक अच्छे संकेत के रूप में पेश किया जा सकता है क्योंकि नौकरियों में कोई भी इजाफा स्वागतयोग्य है। परंतु समेकित स्तर पर देखें तो इसे पूरी अर्थव्यवस्था के लिए अच्छा संकेतक मानना मुश्किल है। खासतौर पर प्रतिष्ठानों और नौकरियों में जो इजाफा हुआ उसका अधिकांश हिस्सा ह्यओन अकाउंट एंटरप्राइजेजह्न(ओएई) में हुआ जहां अनिवार्य रूप से एक व्यक्ति काम करता है या जो पारिवारिक दुकान होती है जहां बाहरी किसी व्यक्ति को काम पर नहीं रखा जाता है।

इस आंकड़े से कई सवाल पैदा होते हैं। पहला, इस बात में संदेह है कि यह अर्थव्यवस्था की वास्तविक वृद्धि दशार्ता है या नहीं। छोटे कारोबारों में से कई असंगठित बने हुए हैं। ये न केवल कर और नियामकीय प्राधिकारियों की नजर से ओझल हैं बल्कि वे बड़े पैमाने पर होने वाले ऐसे सर्वेक्षणों में भी सामने नहीं आ पाते। विगत एक दशक में अर्थव्यवस्था निरंतर संगठित हुई है। इसमें वित्तीयकरण के साथ-साथ वस्तु एवं सेवा कर तथा अन्य ढांचागत बदलावों की अहम भूमिका रही है। ऐसे में यह संभव है कि जो वृद्धि नजर आ रही है वह केवल सांख्यिकीय गणना भर हो और इसी संगठित होने को दर्शा रही हो। ऐसी सांख्यिकीय संरचनाएं पहले भी देखी गई हैं। उदाहरण के लिए कर्मचारियों के लिए बनी सरकार की अल्प बचत योजनाओं में निवेश करने वालों की संख्या में हाल के दिनों में इजाफा हुआ है। यह रोजगार में वास्तविक इजाफा दशार्ता है या केवल मौजूदा रोजगार संगठित हुए हैं, यह बहस का विषय है। एक अन्य तथा अधिक गहन प्रश्न यह है कि यदि इस तरह के रोजगार बढ़े भी हैं तो इसे स्वस्थ अर्थव्यवस्था का संकेत माना जाए या अस्वस्थ। जैसा कि इसी समाचार पत्र में विशेषज्ञों ने कहा, रोजगार पर केंद्रित सर्वेक्षणों ने दिखाया है कि हाल के समय में शहरी रोजगार कम हुए हैं। काफी लंबे समय के बाद ऐसा देखने को मिला है। जबकि इस बीच कृषि क्षेत्र में रोजगार बढ़े हैं। इससे संकेत मिलता है कि एक विकासशील अर्थव्यवस्था में रोजगार निर्माण और वृद्धि के इंजन को जिस तरह काम करना चाहिए, शायद भारत में वैसा नहीं हो रहा है।

editor@rokthoklekhaninews.com
+91 8657861004
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

एयरपोर्ट पर ऑस्ट्रेलिया से आए NRI के साथ ठगी

कैब चालक ने 10 मिनट के सफर के लिए 2800 रुपये

मुंबईः देश की आर्थिक राजधानी में ऑस्ट्रेलिया के एक एनआरआई बिजनेसमैन के साथ ठगी का मामला सामने आया है। मुंबई एयरपोर्ट पर एक टैक्सी ड्राइवर ने फर्जी ऐप का इस्तेमाल कर विले पार्ले तक 10 मिनट की सवारी के लिए 2,800 रुपये मांगे। बिजनेसमैन के होटल पहुंचने पर धोखाधड़ी का पता चला। पीड़ित की शिकायत के बाद पुलिस ने टैक्सी ड्राइवर को गिरफ्तार किया है। मुंबई एयरपोर्ट पर यह घटना 15 दिसंबर की रात में तब हुई जब ऑस्ट्रेलिया के एनआरआई बिजनेसमैन रात में कैब की तलाश कर रहा था।

भरोसा करना पड़ा भारी

इस पूरी ठगी का खुलासा तब हुआ पीड़ित एनआरआई डी विजय होटल पहुंचे। विजय ने टाइम्स ऑफ इंडिया को बताया कि जब मैं कैब की तलाश कर रहा था, तब आरोपी मेरे पास आया। मैंने उसका पीछा किया। मैंने प्रीपेड काउंटर देखे, लेकिन चूंकि मैं उससे पहले ही बात कर चुका था, इसलिए मैंने उसकी कैब किराए पर लेने का फैसला किया। बीच रास्ते में जब उसने मुझे किराए के बारे में बताया, तो मैंने कुछ नहीं कहा क्योंकि मुझे लगा कि वह मुझे उतार देगा। एनआरआई डी विजय (49), जो तीन साल बाद परिवार के साथ मिलने के लिए भारत आए हैं।

चार गुना किराया वूसला

सहार पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने कहा कि जब ड्राइवर ने विले पार्ले के एक होटल तक महज 10 मिनट की यात्रा के लिए 2,800 रुपये की मांग की तो व्यवसायी चौंक गया। गोस्वामी को उसके द्वारा दिए गए मोबाइल नंबर और कार के विवरण के आधार पर गिरफ्तार किया गया। आरोपी कैब चालक विनोद गोस्वामी के तौर पर हुई है। कैब चालक ने एनआरआई से कहा था कि जब भी वह अगली बार मुंबई पहुंचे तो उसे कॉल करें। होटल में चेक-इन करने के बाद विजय ने मैनेजर से किराए के बारे में सलाह ली। तो पता चला किराया सिर्फ 700 रुपये है। इसके बाद विजय ने नागपुर पहुंचने के बाद मुंबई पुलिस की ईमेल आईडी पर शिकायत मेल की।

ठगी का नया तरीका

विजय ने अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा क यह ओला और उबर की तरह दिखने वाले नकली ऐप दिखाकर धोखाधड़ी का एक नया तरीका लगता है। मुंबई आने वाले लोग किराए के बारे में अनजान हो सकते हैं। शिकायत दर्ज करने से पहले मैंने मुंबई में अपने दोस्त से उस मोबाइल नंबर की जांच करने को कहा, इसके बाद पुलिस ने मामले की जानकारी पुलिस को दी, जिन्होंने उसे पकड़ लिया। व्यवसायी ने पर्यटकों की सुरक्षा के लिए एयरपोर्ट के बाहर स्पष्ट साइनेज लगाने की सिफारिश की। कुछ समय पहले ही पुलिस ने सांगली निवासी 19 वर्षीय यूएस-बेस्ड स्टूडेंट विश्वजीत पाटिल से 3,500 रुपये लूटने के आरोप में एक ऑटोरिक्शा चालक को पकड़ा था।

वर्ली ट्रैफिक कंट्रोल हेल्पलाइन, पर धमकी भरे कॉल की बाढ़

मुंबईः नागरिकों की सहायता के लिए बनाई गई वर्ली ट्रैफिक कंट्रोल हेल्पलाइन, धमकी भरे कॉल की बाढ़ के कारण मुंबई पुलिस के लिए चिंता का विषय बन गई है। पिछले दो महीनों में, इस हेल्पलाइन के जरिए पाँच प्रमुख हस्तियों को धमकियाँ मिली हैं, जिसके बाद मुंबई पुलिस ने अपनी प्रतिक्रिया तेज कर दी है। वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा है, ''हम डर के मारे अपना हेल्पलाइन नंबर नहीं बदल सकते, लेकिन इसका दुरुपयोग करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे।'' मुंबई ट्रैफिक पुलिस हेल्पलाइन के जरिए धमकियों की घटनाएँ 1. 8 दिसंबरः प्रधानमंत्री मोदी को धमकी देने के आरोप में अजमेर से गिरफ़्तारी वर्ली पुलिस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खतरा बताते हुए मुंबई ट्रैफिक हेल्पलाइन को धमकी भरा संदेश भेजने के बाद अजमेर से मोहम्मद बेग मिर्जा (36) को गिरफ़्तार किया। जाँच में पता चला कि एक कंपनी में टर्नर के तौर पर काम करने वाले मिर्जा को उसके नियोक्ता द्वारा काम देने से मना करने के बाद नशे में घर भेज दिया गया था। हताशा में उसने अपने नियोक्ता को फंसाने के इरादे से हेल्पलाइन का इस्तेमाल करके धमकी दी। 2. 3 नवंबर - यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ को धमकी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धमकी देने के आरोप में उल्हासनगर की 24 वर्षीय महिला को गिरफ्तार किया गया। संदेश में कहा गया था, ''अगर योगी आदित्यनाथ 10 दिनों में इस्तीफा नहीं देते हैं, तो उनका भी वही हश्र होगा जो बाबा सिद्दीकी का हुआ।'' एटीएस और उल्हासनगर पुलिस की मदद से वर्ली पुलिस ने महिला का पता लगाया और उसे गिरफ्तार कर लिया। उसके परिवार ने दावा किया कि वह मानसिक रूप से अस्वस्थ थी। शुरूआती पूछताछ के बाद उसे छोड़ दिया गया।

3. 7 नवंबर - सलमान खान को जबरन वसूली और धमकी गीतकार (यू ट्यूबर) सोहेल पाशा (24) को 5 करोड़ रुपये की मांग करने और सलमान खान और एक अन्य गीतकार को धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। हेल्पलाइन को 7 नवंबर को यह संदेश मिला और पुलिस ने इसे कर्नाटक के किसान वेंकटेश नारायण के फोन से ट्रेस किया। किसान ने बताया कि उसका फोन बाजार से उधार लिया गया था।

भिवंडी में बंद पावरलूम कारखाने से लाखों का इलेक्ट्रिक मोटर चोरी, तलाश में जुटी पुलिस

मुस्तकीम खान

भिवंडी : भिवंडी शहर तथा ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों बंद पावरलूम कारखाने चोरों के निशानों पर है। निजामपुर पुलिस स्टेशन अंतर्गत लक्ष्मी कंपाउंड मंगतपाडा कटाई गांव स्थित बंद पड़े पावरलूम कारखाने में 23 दिसंबर और 24 दिसंबर के बीच कुछ अज्ञात चोरों ने बंद पावरलूम कारखाने के पीछे का दीवार को तोड़ कर अंदर प्रवेश किया और पावरलूम के सामग्री को खोल कर उठा ले गए।

पुलिस के अनुसार चोरी हुए 60 हजार रूपए कीमत का पावरलूम के तीस इलेक्ट्रिक मोटर और 12 हजार के चौबीस नग पितल के बरास बताईं गईं है जब की पावरलूम कारखाना मालिक शाहिद अनवारूल शेख ने बताया की चोरी हुए टोटल सामान लाखों के उपर का है। जिसे चोरों ने चोरी कर फरार हो गए है। इस मामले में निजामपुर पुलिस ने कारखाना मालिक शाहिद शेख रावजी नगर निवासी की शिकायत पर अज्ञात चोरों के विरुद्ध भा न्याय संहिता कलम 305 अ, 331(4)के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस गश्त पर उठे सवाल

शहर में पुलिस की निष्क्रियता के चलते चोरों के हौसले बुलंद है। जिसके चलते शहर से लेकर ग्रामीण छेत्र तक चोरी की घटनाएं बढ़ रही है। घटना को अंजाम देने के बाद चोर आसानी से निकल भागते है। लेकिन पुलिस निष्क्रीय बनी हुई है। पिछले कई महीनों से चोरी की वारदातों में वृद्धि हुई है। शहर में अनेक स्थानों पर चोरी की घटनाएं हो चुकी है। लेकिन पुलिस किसी भी घटना से पर्दा उठाने में नाकाम रही है। पिछले एक माह में कई घरों, दुकानों, व गोदामों में चोरी की वारदातें हो चुकी है। लोगों का कहना है कि पुलिस की निष्क्रियता के चलते यहां वारदातें बढ़ रही है। साथ ही पुलिस रात को गश्त के नाम पर खानापूर्ति कर रही है। पुलिस की सक्रियता बढ़ती है तो आए दिन शहर में वारदातों को अंजाम दे रहे चोरों को आसानी से पकड़ा जा सकता है।

मनमोहन सिंह के निधन पर छलका शरद पवार सहित महाराष्ट्र के इन नेताओं का दर्द, उपमुख्यमंत्रियों ने भी जताया शोक

मुंबईः महाराष्ट्र में देश के दिग्गज राजनेता डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के बाद शोक में डूबा हुआ है और हर एक राजनेता देश के इस नुकसान पर श्रद्धांजलि दे रहे है। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस, शिवसेना चाहे वे पक्ष हो या विपक्ष सभी देश की इस क्षति पर शोक व्यक्त कर रहे है। मनमोहन सिंह के निधन पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ उपमुख्यमंत्रियों एकनाथ शिंदे और अजित पवार के सहित शरद पवार, उद्धव ठाकरे और आदित्य ठाकरे के अलावा कई नेताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

शरद पवार ने दी श्रद्धांजलि

शरद पवार ने शोक जताते हुए एक्स पर लिखा, ''भारत के पूर्व प्रधान मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के बारे में जानकर गहरा दुख हुआ। हमारे राष्ट्र ने अपने महानतम अर्थशास्त्रियों में से एक, एक दूरदर्शी सुधारवादी और एक वैश्विक राजनेता को खो दिया है।'' शरद पवार ने लिखा, ''उनका जाना एक असहनीय क्षति है झ्र वह एक धर्मात्मा व्यक्ति थे जो विनम्रता, सहनशीलता, सहनशीलता और करुणा का प्रतीक थे। भारत के आर्थिक सुधारों के वास्तुकार के रूप में, उनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों को हमेशा प्रेरित करती रहेगी। उनकी आत्मा को शाश्वत शांति मिले।''

एकनाथ शिंदे ने दी श्रद्धांजलि

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, ''देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ.

मनमोहन सिंह के निधन की खबर अत्यंत दुःखद है। पहले केंद्रीय वित्त मंत्री और बाद में प्रधानमंत्री के रूप में उनकी पहचान इतिहास में एक दूरदर्शी नेता के रूप में रहेगी, जिन्होंने क्रांतिकारी फैसले लिए जिससे देश के आर्थिक विकास को गति मिली और देश की अर्थव्यवस्था के लिए नए रास्ते खुले।'' उनके स्वभाव के बारे में शिंदे ने लिखा, ''बेहद सरल, सीधे और शांत स्वभाव के डॉ. मनमोहन सिंह वैश्विक स्तर पर एक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री के रूप में जाने जाते थे। उनके निधन से एक रणनीतिक और बुद्धिमान अर्थशास्त्री और राजनीतिक नेता खो गया है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे और उनके परिवार को इस दुःख से उबरने की शक्ति दे। भावभीनी श्रद्धांजलि।''

अजित पवार ने दी श्रद्धांजलि

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने लिखा, ''पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी के निधन की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। वे एक सज्जन व्यक्ति थे, उनकी दूरदर्शिता हमारे देश के आर्थिक विकास में एक महत्वपूर्ण मोड़ बन गई। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उनके परिवार और दोस्तों के साथ हैं।''

आदित्य ठाकरे और उद्धव ठाकरे ने दी श्रद्धांजलि

आदित्य ठाकरे और उद्धव ठाकरे ने भी मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी और एक्स पर लिखा, ''पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह जी के निधन से बहुत दुखी हूं। उनके आवास पर उनसे हुई संक्षिप्त मुलाकात ने मुझ पर एक अमिट छाप छोड़ी कि कैसे प्रधानमंत्री अपने नाम और कार्यकाल के साथ बहुत सारी उपलब्धियां दर्ज होने के बावजूद वास्तव में विनम्र, शालीन और गरिमामय हो सकते हैं।'' देश पर प्रभाव पर उन्होंने लिखा, ''90 के दशक में जन्मे मेरे जैसे व्यक्ति के लिए, भारत का दुनिया के लिए खुलना और इसके विपरीत, एक ऐसे दशक में बड़ा होने जैसा था, जहां हर दिन नया था और दुनिया हमारे करीब आ गई थी, इसका श्रेय उन्हें जाता है। शायद भारत के उन लोगों में से एक, जिन्होंने हमारे जीवन और पूरे देश पर बहुत बड़ा प्रभाव डाला है।''

बेस्ट कर्मचारियों ने मुंबई के सभी बस डिपो में किया आंदोलन...

मुंबई : बेस्ट की परिवहन विभाग के हजारों कर्मचारियों ने गुरुवार को मनपा आयुक्त के खिलाफ बेस्ट के सभी डिपो में आंदोलन किया। बेस्ट के ड्राइवर और कंडक्टर ने आयुक्त के खिलाफ काला फीता लगाकर विरोध करते हुए काम किया। बता दें कि मुंबई में 35 लाख से ज्यादा यात्रियों की जीवन रेखा मानी जाने वाली बेस्ट उपक्रम की आर्थिक स्थिति लगातार बिगड़ने का कारण यूनियन मनपा आयुक्त पर डाल रही है। मनपा आयुक्त बेस्ट को सहायता राशि देने में आनाकानी कर रहे हैं। बेस्ट को मनपा के अधीन लेने की मांग यूनियन द्वारा

की जा रही है। बेस्ट कर्मचारियों ने आयुक्त के रवैए से नाराजगी जताते हुए गुरुवार को बेस्ट के सभी डिपो में विरोध प्रदर्शन किया गया। यह विरोध प्रदर्शन पूरे दिन भर सभी डिपो में किया गया। बेस्ट उपक्रम की आर्थिक स्थिति पिछले कुछ सालों से लगातार खराब होती जा रही है। बेस्ट की यूनियन ने बेस्ट को भरपूर मदद देने और पूरी जिम्मेदारी लेने की मांग की। मनपा आयुक्त भूषण गगराणी ने केवल मदद का आश्वासन दिया, लेकिन पूरी जिम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया। जिसके बाद यह विरोध प्रदर्शन किया गया। बेस्ट यूनियन ने मनपा नियम 1888 की धारा 134, 126 और 63 के अनुसार सार्वजनिक परिवहन जैसी बुनियादी सेवाओं की जिम्मेदारी मनपा की है। बेस्ट घाटे में है, तो मनपा को इसकी भरपाई के लिए सभी आवश्यक मदद करनी चाहिए। मनपा भी बेस्ट को अपना उपक्रम मानती है इसलिए कानून के हिसाब से इसकी जिम्मेदारी मनपा की ही है। इसके चलते बेस्ट कर्मचारियों ने मनपा से बेस्ट की पूरी जवाबदारी लेने की मांग कर रहे है।

मुंबई के सभी 227 नगरपालिका वार्डों में सेना (यूबीटी) की चुनावी तैयारियों का जायजा ले रहे उद्धव ठाकरे

मुंबईः शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने मुंबई में पार्टी की साख और जनाधार का आकलन कर रहे हैं। उन्होंने तीन दिवसीय अभ्यास की शुरूआत की। उद्धव के करीबी सहयोगी के मुताबिक मुंबई में अगले साल संभावित नगर निकाय चुनाव से पहले शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे पार्टी की राजनीतिक स्थिति और सियासी समीकरण की समीक्षा कर रहे हैं। उद्धव की यह कवायद इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि करीब दो महीने पहले हुए विधानसभा चुनाव में मुंबई की 36 विधानसभा सीटों में से शिवसेना (यूबीटी) ने 21 सीटों पर चुनाव लड़ा और 11 पर उसे हार का मुंह देखना पड़ा।

दरअसल, एकनाथ शिंदे की बगावत के बाद दो फाड़ हुई उनकी राजनीतिक पार्टी को लगभग दो महीने पहले हुए विधानसभा चुनाव में करारी हार झेलनी पड़ी। विपक्षी गठबंधन- महा विकास अघाड़ी के प्रमुख घटक दल के तौर पर शिवसेना नए सिरे से अपना जनाधार मजबूत करने का प्रयास कर रही है। उद्धव के करीबी अनिल परब ने कहा, उद्धव मुंबई के सभी 227 नगरपालिका वार्डों में सेना (यूबीटी) की चुनावी तैयारियों का जायजा ले रहे हैं। विचार-विमर्श तीन दिनों तक चलेगा। बता दें कि इस चुनाव में आरक्षण को लेकर एक मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। अगर जनवरी में शीर्ष अदालत 'ओबीसी' कोटे पर अपना फैसला सुनाता है तो बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) सहित स्थानीय निकाय चुनाव मार्च-अप्रैल 2025 में कराए जा सकते हैं।

मुंबई : कोस्टल रोड पर करोड़ों की लेम्बोर्गिनी कार में आग...

मुंबई : लेम्बोर्गिनी लग्जरी कार में आग लग गई। यह घटना कोस्टल रोड पर हुई जब लेम्बोर्गिनी रेवुल्टो लग्जरी कार से धुआं निकलता देखा गया। इस वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रेमंड ग्रुप के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर गौतम सिंघानिया ने शेयर किया है, जो इतालवी लग्जरी कार निमार्ता द्वारा बेचे जाने वाले वाहनों की सुरक्षा को लेकर विशेष रूप से आलोचनात्मक रहे हैं। वीडियो में नारंगी रंग की लेम्बोर्गिनी रेवुएल्टो में आग लगी हुई दिखाई दे रही है। जबकि एक व्यक्ति हौजपाइप से आग बुझाने की कोशिश कर रहा है। दमकल की मदद से 45 मिनट में आग पर काबू पा लिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। रेवुएल्टो लेम्बोर्गिनी के भारत पोर्टफोलियो में सबसे महंगी लग्जरी कारों में से एक है, जिसकी कीमत 8.89 करोड़ रुपये (एक्स-शोरूम) है।

650 बेकरियों को नोटिस... प्रदूषण फैलाने का आरोप

मुंबईः बृहन्मुंबई नगर निगम ने प्रदूषण फैलाने वाली 650 बेकरियों को नोटिस जारी किया है. बताया जाता है कि मानसून के बाद शहर में प्रदूषण का स्तर बढ़ने के अलावा शहर भर की बेकरियों में लकड़ी के ईंधन का उपयोग करने को जांच के दायरे में लाया गया है. साथ ही वायु प्रदूषण स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है.

इसी क्रम में बीएमसी ने लगभग 650 बेकरियों को नोटिस जारी कर वायु प्रदूषण से निपटने के लिए लकड़ी जलाने के स्थान पर बिजली या सीएनजी जैसे वैकल्पिक ईंधन का उपयोग करने का निर्देश दिया

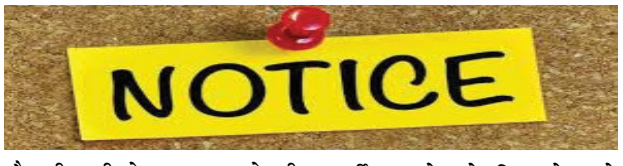

है. बीएमसी के अनुसार, बेकरी की भट्टियां वायु प्रदूषण के प्रमुख कारणों में से एक बन गई हैं. साथ ही पाया गया है कि मुंबई में लगभग 47 प्रतिशत बेकरियां अपने भट्टों के लिए ईंधन के रूप में लकड़ी का उपयोग करती हैं. वहीं इन भट्टियों से निकलने वाला धुआं नागरिकों के लिए हानिकारक है. साथ ही इन भट्टियों को चलाने के लिए मुख्य रूप से निर्माण स्थलों और फर्नीचर स्टोर से निकलने वाले स्क्रैप का उपयोग किया जाता है. इस कारण भारी मात्रा में प्रदूषण हवा में फैल जाता है, जिससे कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो जाती हैं.

इतना ही नहीं छोटी बेकरियों में ईंधन के रूप में प्रतिदिन लगभग 50 से 100 किलो लकड़ी का उपयोग होता है, जबकि बड़ी बेकरियों में ईंधन के रूप में प्रतिदिन लगभग 250 से 300 किलो लकड़ी की खपत होती है. वहीं 20 किलो आटे की ब्रेड बनाने के लिए लगभग पांच किलो लकड़ी की जरूरत होती है.

जब लकड़ी के टुकड़ों को ईंधन के रूप में उपयोग किया जाता है, तो मीथेन, कार्बन डाइऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी हानिकारक गैसें तथा वाष्पशील कार्बनिक यौगिक निकलते हैं, जो सांस संबंधी बीमारियों और अस्थमा जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं. इसके अलावा कुछ सूक्ष्म कण धुएं के साथ मिलकर फेफड़ों में प्रवेश कर जाते हैं और इससे कैंसर या रक्तवाहिनी संबंधी बीमारियां भी हो सकती हैं.

मुंबईः डिविजनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 21 करोड़ 59 लाख रुपये का घोटाला

मुंबई : महाराष्ट्र में छत्रपति संभाजीनगर के डिविजनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 21 करोड़ 59 लाख रुपये का घोटाला हुआ है। इस घोटाले की जानकारी सामने आने के बाद हर कोई हैरान है। मिली जानकारी के अनुसार, यहां के एक सरकारी कर्मचारी ने करोड़ों की धांधली करके इटह कार और बाइक खरीदी। यहां तक कि उसने अपनी गर्लफ्रेंड को 4इलड फ्लैट गिफ्ट किया। यह कर्मचारी कॉन्ट्रैक्ट पर काम करता था और उसकी तनख्वाह सिर्फ 13,000 रुपये थी। आरोपी ने अपने साथी के साथ मिलकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स एडमिनिस्ट्रेशन से इंटरनेट बैंकिंग के जरिए ये हेरफेर की है।

छत्रपति संभाजीनगर में संभागीय खेल परिसर में संविदा कर्मचारी हर्षल कुमार क्षीरसागर अब फरार है। पुलिस ने हर्षल का साथ देने के आरोप में उसकी सहकर्मी यशोदा शेट्टी और उसके पति बीके जीवन को गिरफ्तार किया है।

ऐसे हुआ मामले का खुलासा

जांच में पता चला है कि 23 वर्षीय युवक ने पैसे हड़पने के लिए किस तरह की योजना बनाई थी। हर्षल ने स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के पुराने लेटरहेड का इस्तेमाल करके बैंक को ईमेल किया और स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के खाते से जुड़े ईमेल पते को बदलने का अनुरोध किया। उसने स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के खाते से मिलते-जुलते पते पर एक नया ईमेल खाता खोला था - केवल एक अक्षर बदला गया था। यह ईमेल पता अब स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैंक खाते से जुड़ा हुआ था जिसके माध्यम से हर्षल लेनदेन के लिए आवश्यक ओटीपी और अन्य जानकारी तक आसानी से पहुँच सकता था।

अगले कदम के तौर पर हर्षल ने संभागीय खेल परिसर समिति के बैंक खाते में इंटरनेट बैंकिंग सुविधा सक्रिय कर दी। इस साल 1 जुलाई से 7 दिसंबर के बीच उसने कथित तौर पर 13 बैंक खातों में 21.6 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए।

पुलिस को संदेह है कि इस बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी में और भी लोग शामिल हो सकते हैं और अब वे पैसे निकालने के लिए इस्तेमाल किए गए बैंक खातों से जुड़े दस्तावेज एकत्र कर रहे हैं। हर्षल की गिरफ़्तारी के लिए पुलिस ने तलाशी अभियान चलाते हुए लग्जरी गाड़ियाँ जब्त कर ली हैं। पुलिस के अनुसार, मामला तब सामने आया जब खेल विभाग के एक अधिकारी ने वित्तीय अनियमितताओं को देखा और शिकायत दर्ज कराई।

प्रदूषण पर रोकथाम नहीं करने वाले प्रोजेक्ट को दंड

मुंबई मनपा रोजाना लगा रही 28 प्रोजेक्ट को एक हजार दंड... !

मुंबई में चल रहे 868 निर्माण कार्यों का लिया जायजा

मुंबई : फैलते प्रदूषण की रोकथाम के लिए मनपा प्रशासन ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। मनपा प्रशासन ने मुंबई में चल रहे 868 निर्माण कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान 28 प्रोजेक्ट ऐसे पाए गए जो नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। मनपा इन प्रोजेक्ट मालिकों से रोजाना का एक हजार रुपये दंड वसूल रही है। मनपा का कहना है कि यह दंड 15 दिन में लिया जाएगा। उसके बाद प्रोजेक्ट बंद कराया जाएगा। बता दें कि पिछले कुछ दिनों से मुंबई का पर्यावरण खराब हो रहा है। मनपा प्रशासन इसी के चलते मुंबई में चल रहे प्रोजेक्ट को पर्यावरण नहीं फैले इसके लिए 28 नियमों का पालन करने की एक सूचना दी थी। मनपा अधिकारियों

ने पिछले दिनों मुंबई में चल रहे 868 निर्माण स्थलों का निरीक्षण किया गया। इन स्थलों में से 28 स्थानों पर नियमों के पालन में कमी पाए जाने पर उन्हें लिखित सूचना जारी की गई है। उन्हें मनपा ने 15 दिनों का अल्टीमेटम दिया है। पंद्रह दिन में पर्यावरण नियमों का पालन नहीं करने पर काम बंद करने की कार्रवाई की जाएगी।

मुंबई में बढ़ते वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए मनपा ने प्रभावी कदम उठाए हैं। मनपा आयुक्त भूषण गगराणी के निर्देश पर मुंबई के चौबीसों वार्ड पर कठोर कार्रवाई की जा रही है। मनपा ने आगे भी निर्माण स्थलों का निरीक्षण करने का कार्यक्रम तय किया गया है। इसके अलावा मनपा का अन्य विभाग भी 'ऑटो डीसीआर' जैसी ऑनलाइन प्रणालियों के माध्यम से निर्माण स्थलों को लिखित सूचना दे रहे हैं। मनपा ने सभी संबंधित विभागों और सिस्टम से यह अनिवार्य किया है कि वे इन मार्गदर्शक सिद्धांतों का पालन करें। अगर ये नियम समय पर लागू नहीं किए गए, तो काम रोकने एंव निर्माण स्थल को सील करने जैसी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मुख्य सचिव से कबूतर खाना स्थानांतरण करने की मांग...

भायंदर : भायंदर (पूर्व) जेसल पार्क चौपाटी स्थित कबुतर खाना हटाने की मांग हो रही है। समाजसेवक छितरमल महादेव गुप्ता ने महाराष्ट्र राज्य के मुख्य सचिव सुजाता सोनिक को एक निवेदन पत्र देकर जेसल पार्क चौपाटी स्थित कबुतर खाना को अन्य स्थान पर स्थानांतरण करने की मांग की है। इस कबुतर खाना को हटाने के पीछे उन्होंने लोगों में बिमारी फैलने का कारण बताया है। गुप्ता ने पत्र के माध्यम से बताया कि जेसल पार्क चौपाटी एक पर्यटक स्थल है और यहां पर काफी संख्या में लोग सुबह एवं शाम के वक्त घूमने आते हैं। यहां स्थित कबुतर खाने में आने वाले कबूतरों के मल से हिस्टो प्लाजमोसिस, क्रिप्टो कोकोसिस, सिटाकोसिस, साल्मोनेला, टोक्सो प्लाजमोसिस एवं एन्सेफलाइटिस जैसी गंभीर बीमारी वहां आने वाले लोगों को हो सकती हैं। उन्होंने बताया कि जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है ऐसे लोगों को इन बीमारियों का खतरा ज्यादा होता है।

ठाणे/ आत्महत्या करने जा रहे बुजुर्ग दंपत्ति को बचाया

ठाणे : पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने घोड़बंदर के वाघबील इलाके में एक बुजुर्ग जोड़े को बचाया जो अपने खराब स्वास्थ्य के कारण आत्महत्या करने जा रहे थे। बुर्जुग दंपत्ति ने अपने भतीजे को मोबाइल पर मैसेज भेजा था कि वह आत्महत्या कर रहा है। भतीजी ने जब पुलिस को इसकी जानकारी दी तो टीम उनके घर पहुंची और दंपति को बचाया। बता दें कि वाघबील इलाके में एक बुजुर्ग दंपत्ति रहते हैं। उनकी तबीयत खराब रहती है। बुधवार की रात उन्होंने अचानक बेंगलुरु में रहने वाले अपने भतीजे को मोबाइल फोन पर एक छोटा सा मैसेज भेजा। उन्होंने मैसेज में कहा था कि वह खराब सेहत के कारण आत्महत्या कर रहे हैं। भतीजी ने तुरंत कासारवडवली पुलिस को सूचना दी। इसके बाद कासारवडवली पुलिस और ठाणे मनपा फायर ब्रिगेड के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। टीम के घर के बाहर पहुंचने के बाद उन्होंने दरवाजे के बाहर लगी घंटी बजाई। लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं दे रहा था। इसलिए टीम ने घर में घुसने का फैसला किया. जैसे ही टीम घर में दाखिल हुई, बेडरूम में सो रहे बुजुर्ग दंपत्ति जाग गए। इसके बाद टीम ने उन्हें बचाया। कासारवडवली पुलिस ने बताया कि घर में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। पुलिस ने बताया कि उसके भतीजे से उनकी देखभाल करने को कहा गया है।

दो लाख रुपये से अधिक की बिजली चोरी का मामला दर्ज..

भिवंडी : शांतीनगर पुलिस ने एक व्यक्ति के खिलाफ अवैध रूप से बिजली चोरी करने का मामला दर्ज किया है। आरोप है कि आरोपी ने अपनी आर्थिक लाभ के लिए बिजली मीटर से छेड़छाड़ कर अवैध कनेक्शन के जरिए बिजली का उपयोग किया और 2,05,964 रुपये मूल्य की बिजली चोरी की। यह मामला भिवंडी के शांतीनगर क्षेत्र में सामने आया। शिकायतकर्ता टोरेंट पॉवर कंपनी के एक्जीक्यूटिव अधिकारी अनिकेत कडु मेहरे, ने पुलिस को जानकारी दी कि सरवली गांव स्थित घर नंबर 566/ बी में बिजली का अनधिकृत उपयोग किया जा रहा है। पुलिस ने इस मामले में बिजली उपभोक्ता चंदा बाई प्र''ाद म्हात्रे, रूपेश प्रल्हाद म्हात्रे के खिलाफ केस दर्ज किया है।

NRI युवक ने लालची कैब ड्राइवर को पहुंचाया जेल

मुंबई : जिले में एक एनआरआई से ठगी का मामला सामने आया है जहां एक कैब ड्राइवर ने फर्जी एप का इस्तेमाल करके यात्री से चार गुना किराया वसूल किया। यात्री ने इस पूरे मामले की शिकायत मुंबई पुलिस से की, जिस पर पुलिस ने आरोपी कैब ड्राइवर की तलाश की और उसे धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने उसके खिलाफ गंभीर मामलों में अपराध दर्ज कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया में रहने वाले डी विजय करीब तीन साल बाद अपने परिवार से मिलने भारत आए हैं। उन्होंने एक बातचीत के दौरान बताया कि यह पूरी वारदात 15 दिसंबर की रात की है। जब वह लेट नाइट आए थे जिसके बाद उन्होंने कैब की तलाश की। आरोपी कैब ड्राइवर ने उन्हें एयरपोर्ट से लेकर विले पार्ले के एक होटल पर ड्रॉप किया। इसके बाद ड्राइवर ने किसी फर्जी एप के जरिए उन्हें बिल बताया वह 2800 रुपये थे। डी विजय ने उसे पैसे दे दिए। इसके बाद जब वह होटल पहुंचे तो वहां पर उन्होंने स्टाफ से किराए के बारे में पूछा तो पता चला कि एयरपोर्ट से विले पार्ले स्थित होटल तक सिर्फ 700 रुपये ही लगते हैं तो उन्हें अपने ठगी का पता चला।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhaninews.com